

आजा-आजा मेरे साँवरे-जैसे हो हर हाल में
यादें तेरी जब-जब आई-रोती हूँ हर हाल में
सुन मेरे sssss कन्हैया sss ओ वंशी बजैया

तेरी चंचल-चितवन से चित-आज तक है उलझा
दिन नहीं चैन-रैन नहीं निंदिया-तू ही आके सुलझा
कान्हा तू ही आके सुलझा

किया निहावर जीवन अपना-मद मस्ती सी चाल में
यादें-तेरी-----सुन मेरे कन्हैया sss ओ वंशी बजैया
विरह वेदना से आगे दुख-और न दूजा होता है
नयन मूँद देखा जो मैंने-भीतर कोई रोता है
कमी हो गई है अँसुअन की-इन नयनों के ताल में
यादें-तेरी-----सुन मेरे कन्हैया sss ओ वंशी बजैया

प्रीत की रीत यही होती है-आज समझ में आई
मेरी हाथन में हरी शायद-भूल गई रचनाई
कान्हा भूल गई रचनाई

पंथ निहारु बन चकोर मैं-सुन "श्री बाबा श्री" हर हाल में
यादें-तेरी-----सुन मेरे कन्हैया sss ओ वंशी बजैया.